FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

PRESS NOTE

संख्या–1052/प्रेसनोट/अ०सं०/2015/ 18 अगस्त 2015

रुस्तमजी इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलाजी में ओरिएनटेशन कार्यक्रम का आयोजन

सीमा सुरक्षा बल द्वारा संचालित इंजीनियरिंग महाविद्यालय रुस्तमजी इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलाजी, टेकनपुर में प्रथम वर्ष के नवागत छात्रों हेतु ओरिएनटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रथम वर्ष बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग तथा डिप्लोमा के छात्रों को संस्थान में प्रवेश के उपरान्त संस्थान की गतिविधियों से परिचित कराया गया।

इस अवसर पर एक चलचित्र के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल तथा रुस्तमजी इंस्टीट्यूट के गौरवशाली इतिहास प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर एक रोचक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट ऑफिसर श्री सुहेल अहमद खान ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार 1999 में 180 छात्र संख्या के साथ प्रारंभ हुए संस्थान में आज लगभग 2000 छात्र स्वयं के एवं राष्ट्र के भविष्य निर्माण हेतु अध्ययनरत है। संस्थान में संचालित उच्च कोटि के 06 पाठ्यक्रम (ऑटो इंजी., मकैनिकल इंजी, इलैक्ट्रिकल इंजी, आई.टी. , इलैक्ट्रोनिक्स एवं कम्प्यूटर साइंस इंजी) एवं उनसे संबधित गतिविधियों से अवगत कराया गया। संस्था के डीन एकैडमिक्स डॉ अरविन्द कुमार जैन ने छात्रों को अनुसंधान परक अध्ययनशैली अपनाने की सलाह दी।

इस प्रस्तुतिकरण के माध्यम से छात्रों को उपलब्ध छात्र सम्बन्धित सुविधाए एवं संस्थान की नियमित कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। एवं छात्रों को रैकिंग जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने की सलाह दी। इस अवसर पर समस्त विभागो के विभागाध्यक्षों एवं प्रथम वर्ष की समस्त फैक्लटी के साथ छात्रों का परिचय कराया गया।

डॉ नमिता सक्सैना ने जैन्डर इनसैंसविटी के विषय में छात्रों को अवगत कराया तथा महिलाओं का सम्मान करने की सलाह दी । इस अवसर पर विशेष रुप से आमंत्रित कैरियर सलाहकार श्री मनोज डबरानी ने छात्रों को इंजीनियरिंग के पश्चात की कैरियर प्लानिंग प्रथम वर्ष से ही करने की सलाह दी।

संस्था के प्राचार्य श्री मुकेश त्यागी ने छात्रों को परिणामोन्मुखी अध्ययन करने की सलाह देते हुए कहा कि ''आज के समय में लगभग प्रत्येक नियोक्ता कंपनी की यह अपेक्षा होती है कि उसके पास आने वाले छात्र का प्ररिणाम निरन्तर बढते क्रम में हो।'' साथ ही उन्होने छात्रों को भाषाई दक्षता तथा अनुशासन के महत्व के विषय में भी जागरुक रहने के लिये कहा।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियो के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।